कुआं धंसने से तीन महिलाएं दबीं

एक महिला को जीवित निकाला गया, दो की तलाश में देर रात तक चला रेस्क्यू

सिवनी. सिवनी जिले के बंडोल थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दुकली में सोमवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया. खेत में बने एक निर्माणाधीन कुएं के अचानक धंस जाने से एक ही परिवार की तीन महिलाएं मलबे में दब गईं. हादसे के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई. सूचना मिलते ही बंडोल पुलिस, डायल-100, प्रशासनिक अधिकारी और रेस्क्यू दल मौके पर पहुंच गया तथा युद्धस्तर पर बचाव अभियान शुरू किया गया.

घटना के अनुसार, ग्राम दुकली में खेत में एक कुएं का निर्माण कार्य हाल ही में पूरा हुआ था. कुएं में सीमेंट कंक्रीट का कार्य होने के बाद उसकी तराई (क्योरिंग) की जा रही थी. सोमवार दोपहर श्रीमती सुमनिया बाई जंघेला (75 वर्ष), उनकी बेटी श्रीमती अनसुईया जंघेला (40 वर्ष) और नातिन स्वाति जंघेला (18 वर्ष) कुएं में तराई का काम कर रही थीं. इसी दौरान कुएं के आसपास पानी भर जाने से अचानक मिट्टी और निर्माण सामग्री का हिस्सा धंस गया और तीनों महिलाएं मलबे में दब गईं.

हादसे के बाद ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए और तत्काल पुलिस एवं प्रशासन को सूचना दी गई. बंडोल थाना पुलिस और डायल-100 की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया.

घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी कलेक्टर अनिल राठौर, पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी, एसडीओपी सचिन परते सहित प्रशासन का पूरा अमला घटनास्थल पर पहुंच गया. जेसीबी मशीनों की सहायता से मलबा हटाने का कार्य प्रारंभ किया गया.

> कुएं की गहराई अधिक होने और लगातार धंसाव की आशंका के कारण बचाव कार्य में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा. स्थिति को देखते हुए पोकलेन मशीन भी मौके पर बुलाई गई, जिसकी सहायता से मलबा हटाने का कार्य देर शाम तक जारी रहा. समाचार लिखे जाने तक अनसुईया जंघेला और उनकी पुत्री स्वाति जंघेला मलबे में दबी हुई थीं तथा उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी था. पूरे क्षेत्र में इस हादसे को लेकर चिंता और शोक का माहौल बना हुआ है.

अधिवक्ता पर हमले से खफा वकीलों ने की एसपी से मुलाकात

विदिशा, जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष संतोष शर्मा ने बताया कि यह घटना 29 मई को गुलाबगंज तहसील क्षेत्र के एक गांव में हुई थी. अधिवक्ता पवार वहां सीमांकन कार्य के दौरान पहुंचे थे, तभी कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया. इस हमले में उनके सिर पर गंभीर चोटें आईं और सात टांके लगाने पड़े. अध्यक्ष शर्मा ने आरोप लगाया कि घायल अधिवक्ता द्वारा गुलाबगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराने के बाद पुलिस ने आरोपी पक्ष के साथ मिलकर उनके खिलाफ भी क्रॉस मामला दर्ज कर लिया. संघ का मानना है कि यह वास्तविक आरोपियों को बचाने और मामले को प्रभावित करने का प्रयास है. अभिभाषक संघ ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर राघवेंद्र सिंह पवार पर दर्ज प्रकरण की निष्पक्ष जांच, क्रॉस एफआईआर की समीक्षा और हमले के आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है.

सड़कों पर आवारा सांडों का आतंक

राहगीरों और दुकानदारों की बढ़ी परेशानी

परिषद की बैठक में भी उठ चुका है मुद्दा

परिषद की बैठक में उठी सांडशाला की मांग

इस समस्या को लेकर नगर पालिका परिषद की बैठकों में भी चर्चा हो चुकी है. पार्षद सौदान सिंह यादव ने परिषद की बैठक में नगर हित में एक अलग सांडशाला संचालित किए जाने का प्रस्ताव रखा था. उनका कहना था कि नगर में पकड़े जाने वाले सांडों को एक निर्धारित स्थान पर रखा जाए, जिससे सड़कों और बाजारों में उनकी संख्या कम हो सके. उन्होंने यह भी सुझाव दिया था कि नगर की विभिन्न गौशालाओं के संचालकों की बैठक बुलाकर उन्हें कुछ सांड रखने के लिए प्रेरित किया जाए.

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा 1 जून. नगर में आवारा सांडों की बढ़ती संख्या आम नागरिकों, राहगीरों और सब्जी विक्रेताओं के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन गई है. शहर की लगभग हर गली, सड़क और बाजार क्षेत्र में सांडों का जमावड़ा देखा जा सकता है, जिससे लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि सांड अक्सर लोगों के हाथों में सब्जी या अन्य खाद्य सामग्री से भरे थैले देखकर उनके पीछे पड़ जाते हैं. कई बार जान बचाने के लिए लोगों को अपनी खरीदी हुई सब्जियां और सामान सड़क पर फेंकना पड़ता है. इसके बावजूद कई नागरिक सांडों के हमलों और धक्कामुक्की का शिकार हो चुके हैं.

सब्जी विक्रेताओं को हो रहा आर्थिक नुकसान- सड़क किनारे सब्जी बेचने वाले दुकानदारों का कहना है कि सांड उनकी दुकानों तक पहुंच जाते हैं और सब्जियां खाने के साथ-साथ उन्हें खराब भी कर देते हैं. कई बार दुकानदारों द्वारा उन्हें भगाने का प्रयास किया जाता है, लेकिन आक्रामक सांड दुकानदारों के पीछे ही पड़ जाते हैं.

अहिल्याबाई के नाम पर सड़क, चौराहा करने की मांग

लंबे अरसे से चली आ रही मांग अधूरी

नवभारत न्यूज

सारंगपुर 01 जून, सं. धनगर समाज ने रविवार को पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई. समाजजनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर न्याय, सेवा, सुशासन और जनकल्याण के लिए किए गए कार्यों को याद किया.

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है. वहीं समाजजनों ने शहर में होल्कर चौराहा नामकरण, प्रतिमा स्थापना और धर्मशाला निर्माण की मांग भी उठाई.कार्यक्रम में विमुक्त, घुमंतू व अर्द्ध घुमंतू जनजाति महासंघ के पदाधिकारी, सुदर्शन नगर धनगर पंचायत अध्यक्ष ओमप्रकाश धनगर, सचिव अनिल धनगर, कोषाध्यक्ष कैलाश धनगर सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे. विमुक्त घुमंतू महासंघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील धनगर ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में न्याय, धर्म, महिला सशक्तिकरण और लोककल्याण के क्षेत्र में ऐसे कार्य किए, जिन्हें आज भी आदर्श माना जाता है.

विपरीत परिस्थितियों में भी समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और सम्मान पहुंचाने का काम किया. संतोष धनगर ने कहा कि लोकमाता ने अपने कुशल नेतृत्व से नारी सशक्तिकरण का उदाहरण प्रस्तुत किया.

अनियमितताओं की जांच की मांग की गई

सागर. सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अनुदान से संचालित नशा मुक्ति केन्द्रों में व्याप्त अनियमित्ताओं, अनुदान उपयोगिता एवं मैदानी गतिविधियों की जांच कर कार्यवाही तथा जिलें के सभी नशा मुक्ति केन्द्रों का सामाजिक, प्रशासनिक एवं वित्तीय अंकेक्षण करानें की मांग को लेकर पूर्व मंत्री सुरेन्द्र चौधरी ने कलेक्टर प्रतिभा पाल को पत्र लिखा है. श्री चौधरी ने कहा कि शासन द्वारा नशा मुक्ति केन्द्रों को लाखों रुपये का अनुदान इस उद्देश्य से दिया जाता है कि नशे की लत से प्रभावित व्यक्तियों को उपचार, परामर्श एवं पुनर्वास उपलब्ध कराया जा सके तथा समाज में नशामुक्ति के प्रति व्यापक जनजागरूकता पैदा की जा सके.

दमोह-पन्ना के सीएमएचओ को नोटिस

सागर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश

नवभारत न्यूज

सागर 1 जून. कमिश्नर अनिल सुचारी ने सागर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर से बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश संभाग के सभी चिकित्सा अधिकारियों, चिकित्सकों एवं मैदानी कर्मचारियों को दिए हैं.

कमिश्नर ने कहा है कि सागर संभाग के सभी चिकित्सा अधिकारी, सभी चिकित्सक और स्वास्थ्य सेवाओं के क्रियान्वयन से जुड़े सभी मैदानी कर्मचारी सेवा भाव और संवेदनशीलता के साथ स्वास्थ्य सेवाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं. कमिश्नर ने कहा है कि सागर संभाग के सभी जिलों में रोगी कल्याण समितियों की बैठकें सतत रूप से होना चाहिए. रोगी कल्याण समिति की बैठकों में लिए गए निर्णयों का क्रियान्वयन भी जमीनी स्तर पर होना चाहिए. बैठक में सागर संभाग में गर्भवती महिलाओं के पंजीयन की जिलेवार समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने कहा है कि सागर संभाग में लगभग सभी जिलों में गर्भवती महिलाओं के पंजीयन की स्थिति ठीक नहीं है. उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे गर्भवती महिलाओं के पंजीयन के लिए मैदानी कर्मचारियों को सक्रियता के साथ कार्य करने के लिए निर्देशित करें और सतत रूप से मॉनिटरिंग करें.

मृगवास पुलिस ने दबोचे विदिशा के दो तस्कर

मृगवास। एसडीओपी मनोज कुमार झा के मार्गदर्शन में मृगवास थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने घेराबंदी कर दो शातिर नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से 10 किलो से अधिक अवैध गांजा और तस्करी में प्रयुक्त बाइक जब्त की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, 31 मई की रात मृगवास थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि विदिशा जिले के दो युवक बाइक पर गांजा लेकर बड़ौद-आंकखेड़ी के रास्ते राजस्थान की ओर जाने वाले हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए सानई चौकी पुलिस टीम ने ग्राम बड़ौद में आंकखेड़ी रोड स्थित फीडर के पास घात लगाई।

एक नजर में

मंत्री राजपूत का स्वागत किया गया

राहतगढ़. खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के नगर आगमन पर जैन मंदिर जाते समय युवा मोर्चा के सक्रिय नेता तारिक उस्मानी के निवास चौराहे पर स्वागत किया गया. इस अवसर पर भाजपा जिला प्रभारी सलीम रंगरेज, नगर परिषद उपाध्यक्ष जहीर कुरैशी, अख्तर उस्मानी, नईम मंसुरी पार्षद, समद उस्मानी, रफीक चुड़ी वाले, अजीम कुरैशी, शानू मंसूरी, सोहराब रंगरेज, शफीक मंसूरी, सोनू मंसूरी, आरिफ मंसूरी, नासिर उस्मानी, शाहरुख उस्मानी, वसीम खान, आमिर अबरार उस्मानी शामिल रहे.

सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर प्रशिक्षण शुरू

सीहोर. आगामी सिंहस्थ के सफल एवं सुरक्षित आयोजन के दृष्टिगत जिले में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 6 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कोर्स का शुभारंभ सोमवार से पुलिस नियंत्रण कक्ष में किया गया. पहले दिन एसपी श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना ने कर्मचारियों को सिंहस्थ ड्यूटी की बारीकियों और उसके महत्व के संबंध में आवश्यक समझाइश देकर उनका मार्गदर्शन किया. इस अवसर पर एएसपी श्रीमती सुनीता रावत, रक्षित निरीक्षक उपेंद्र यादव, उप निरीक्षक राहुल श्रीवास्तव सहित प्रशिक्षण के पहले बैच में शामिल 45 कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित थे.

सरकारी भूमि से अवैध कब्जा हटाने सौंपा ज्ञापन

मुलताई। जनपद पंचायत प्रभात पट्टन की ग्राम पंचायत बिरुल बाजार की वार्ड क्रमांक 19 में सरकारी भूमि पर से कब्जा हटाने की मांग को लेकर वार्ड वासियो ने तहसीलदार को ज्ञापन सौपा है।ग्राम बिरूल बाजार की वार्ड क्रमांक 19 की ग्रामीणों द्वारा सौपे ज्ञापन में बताया वार्ड क्रमांक 19 में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने की कोशिश की जा रही है।उक्त भूमि पर सभी मोहल्ले के लोग ने मिनी गार्डन बनवाने के लिए प्रस्ताव लिया है। जिसमें ग्राम के कुछ आपत्ति जनक लोग अपना कब्जा बता रहे है।जबकि मोहल्ले के लोग चाहते है उक्त स्थल पर मिनी गार्डन बनाने का प्रस्ताव जल्द पास किया जाए, वार्ड वासियो ने समस्या का शीघ्र निराकरण करने की मांग की है।

छह माह के लिए किया गया जिला बदर

विदिशा. कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अंशुल गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक की अनुशंसा पर एक प्रकरण में जिला बदर की कार्रवाई करते हुए आदेश जारी किया है .जारी आदेश के अनुसार विभिन्न आपराधिक मामलों में संलिप्त रिजवान उर्फ नंगा खान पिता फैज खान, उम्र 27 वर्ष, निवासी ग्राम धनौरा हवेली, थाना सिविल लाइन, विदिशा के विरुद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई है .आदेश के तहत संबंधित व्यक्ति को छह माह की अवधि के लिए विदिशा जिले की राजस्व सीमा से निष्कासित किया गया है. इसके साथ ही वह इस अवधि में विदिशा से लगे सीमावर्ती जिलों रायसेन, भोपाल, गुना, अशोकनगर, सागर तथा राजगढ़ की राजस्व सीमाओं में भी प्रवेश नहीं कर सकेगा .प्रशासन द्वारा यह कार्रवाई कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा शांति एवं सुरक्षा के मद्देनजर की गई है.

खरीफ सीजन की तैयारी तेज, खेतों में जुटे किसान

नवभारत न्यूज

पठारी. क्षेत्र में मूंग की फसल की कटाई लगभग पूरी होने के बाद किसान अब खरीफ सीजन की तैयारियों में जुट गए हैं. किसान खेतों की जुताई, मिट्टी पलटने और बीज की व्यवस्था जैसे कार्यों को अंतिम रूप दे रहे हैं, ताकि प्री-मानसून या अच्छी बारिश होते ही खरीफ फसलों की बोवनी शुरू की जा सके.

जिन किसानों ने इस वर्ष मूंग्ग की फसल नहीं ली थी, उन्होंने पहले ही अपने खेतों को खरीफ फसलों के लिए तैयार कर लिया है. वहीं मूंग कटाई के बाद अधिकांश किसान खेतों में प्लाऊ और अन्य कृषि यंत्रों से जुताई कर मिट्टी को तैयार कर रहे हैं. किसानों का कहना है कि पहली अच्छी बारिश के बाद मिट्टी नरम होते ही बोवनी का कार्य शुरू कर दिया जाएगा.

> किसान खरीफ सीजन के लिए विभिन्न अवधि वाली सोयाबीन एवं अन्य फसलों की किस्मों के बीजों की व्यवस्था करने में जुटे हैं. वहीं कुछ किसान धान की नर्सरी और खेतों की तैयारी भी कर रहे हैं. क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच किसानों को इस बार अच्छी वर्षा की उम्मीद है .किसानों ने खेतों की तैयारी तो पूरी कर ली है, लेकिन अधिकांश किसान अब मानसून की पहली अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं. उनका मानना है कि बारिश की स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही खरीफ फसल के चयन और बोवनी का अंतिम निर्णय लिया जाएगा.

सोयाबीन को लेकर किसान असमंजस में- किसानों का कहना है कि बाजार में सोयाबीन के अच्छे भाव मिलने के बावजूद पिछले वर्ष कम उत्पादन और नुकसान के कारण कई किसान इस बार सोयाबीन की बोवनी को लेकर असमंजस की स्थिति में हैं. यही कारण है कि किसान अभी बारिश की स्थिति देखने के बाद ही अंतिम निर्णय लेना चाहते हैं.

क्षेत्र के किसान अजय सिंह ठाकुर एवं मयंक नामदेव के अनुसार इस वर्ष धान की खेती के प्रति किसानों का उत्साह अपेक्षाकृत कम दिखाई दे रहा है. धान उत्पादन में अधिक लागत लगने और सरकारी खरीद में उचित मूल्य नहीं मिलने के कारण किसान वैकल्पिक फसलों पर विचार कर रहे हैं.

प्री मानसून की दस्तक तरबतर हुआ शहर

नवभारत न्यूज

सीहोर 1 जून. भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे जिलेवासियों को सोमवार को मौसम ने बड़ी राहत दी।सुबह तक तीखी धूप और गर्म हवाओं से लोग परेशान रहे, लेकिन दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट ली और तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई. जिला मुख्यालय सहित आष्टा, भैरूंदा, इछावर, अमलाहा और आसपास के क्षेत्रों में हुई बारिश ने नौतपा की तपिश को काफी हद तक शांत कर दिया. बारिश के चलते दिन के अधिकतम तापमान में सीधे 5.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई.

सोमवार को दोपहर करीब 12.30 बजे के बाद आसमान में काले बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ बारिश का दौर शुरू हो गया.

रुक-रुककर करीब दो घंटे तक तेज बारिश होती रही, जिसके बाद देर शाम तक रिमझिम वर्षा का सिलसिला जारी रहा. मौसम में आए इस बदलाव से लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिली और वातावरण पूरी तरह खुशनुमा हो गया.

मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को जिले का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. वहीं रविवार को अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस था. यानी दिन के तापमान में 5.5 डिग्री की गिरावट और रात के तापमान में 2.5 डिग्री बढ़ोतरी दर्ज की गई.

> बारिश के साथ चली तेज आंधी का असर कई इलाकों में देखने को मिला. आष्टा-अमलाहा क्षेत्र में करीब 90 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं. अमलाहा में बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई. तेज हवाओं के कारण सड़क किनारे खड़े कई पेड़ों की डालियां टूटकर सड़कों पर आ गिरीं, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ. भोपाल-इंदौर हाईवे पर भी कई स्थानों पर पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आईं. नतीजतन वाहन रेंगते नजर आए.

पानी को तरसा सूखा सेमरा, गांव में 'जल उपवास'

नवभारत न्यूज

विदिशा 1 जून, जिले के शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला ग्राम सूखा सेमरा एक बार फिर अपनी पहचान के अनुरूप भीषण जल संकट से जूझ रहा है. विदिशा मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित करीब 700 की आबादी वाले इस गांव में पेयजल की समस्या वर्षों से बनी हुई है.

ग्रामीणों का कहना है कि गांव का नाम ही सूखा सेमरा इसलिए पड़ा क्योंकि यहां कई दशकों से पानी की कमी और सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है. वर्तमान में गांव में लगे अधिकांश हैंडपंप जवाब दे चुके हैं.

ग्रामीणों के अनुसार गांव में केवल दो हैंडपंप ही किसी तरह पानी दे रहे हैं, जबकि अन्य हैंडपंप पूरी तरह सूख चुके हैं. एक हैंडपंप भारतमाला परियोजना के कार्यों के दौरान खराब हो गया, जिसके कारण समस्या और गंभीर हो गई. बढ़ती गर्मी और गिरते भूजल स्तर के बीच पूरे गांव की पेयजल व्यवस्था कुछ सीमित स्रोतों पर निर्भर होकर रह गई है.

डॉ. भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा का अनावरण

सीहोर. नपा के तत्वाधान में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर भवन में प्रतिमा का अनावरण किया गया. इस अवसर पर नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन एवं उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने देश को संविधान प्रदान कर सामाजिक समानता, न्याय और अधिकारों की मजबूत नींव रखी. उनका जीवन संघर्ष, शिक्षा और समाज सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण है. उन्होंने कहा कि हमें बाबासाहेब के बताए मार्ग पर चलकर समाज में समरसता, भाईचारा और समान अवसरों की भावना को आगे बढ़ाना चाहिए.

लापरवाही — नदी का सीना चीरकर निकाली जा रही रेत, जिम्मेदार विभाग बने मूकदर्शक

कलेक्टर के आदेश हवा! जनपद अध्यक्ष के गांव में धड़ल्ले से निकाली जा रही रेत

नवभारत न्यूज

विदिशा, जिले में अवैध रेत उत्खनन रोकने के लिए प्रशासनिक स्तर पर लगातार दावे किए जाते हैं, लेकिन जनपद अध्यक्ष के गांव ईकोदिया में हालात कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं.यहां गांव से करीब आधा किलोमीटर दूर नदी क्षेत्र में कथित रूप से धड़ल्ले से रेत उत्खनन जारी है.

ग्रामीणों का आरोप है कि कलेक्टर के सख्त निर्देशों और प्रशासनिक आदेशों के बावजूद नदी से लगातार रेत निकाली जा रही है, जिससे प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं. ग्रामीणों का कहना है कि नदी से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के माध्यम से लगातार रेत का परिवहन किया जा रहा है. क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि यह कोई छिपा हुआ काम नहीं, बल्कि खुलेआम हो रही गतिविधि है, जिसे हर कोई देख सकता है। इसके बावजूद खनिज विभाग, राजस्व अमला और स्थानीय प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही. लगातार रेत निकासी से नदी के अस्तित्व पर संकट गहराने लगा है. जानकारों का मानना है कि अनियंत्रित उत्खनन से नदी का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है, जलस्तर प्रभावित होता है और बरसात के समय कटाव का खतरा बढ़ जाता है. इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की चुप्पी लोगों को हैरान कर रही है. यहां पर रविवार को पांच ट्रेक्टर ट्रालिया खड़ी हुई थी और कई जगहों पर रेत छानने वाले छलने लगे हुए थे. कई मजदूर गड्डों में रेत निकाल कर अलग अलग जगह पर स्टाक कर रहे थे. यहां काम करने वाले एक मजदूर ने बताया कि एक ट्राली को भरने के लिए 1500 रुपए मिलते हैं. दो दिन में एक ट्राली भर पाते हैं जबकि बाजार में एक ट्राली रेत करीब 8 हजार में बेंची जा रही है. इस तरह से मजदूरों को शोषण भी हो रहा है.

सरपंच बोले- मुझे इसकी जानकारी नहीं- जब इस मामले में ग्राम पंचायत ईकोदिया के सरपंच से चर्चा की गई तो उन्होंने किसी भी प्रकार के रेत उत्खनन की जानकारी होने से इनकार कर दिया. सरपंच का कहना था कि उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है. वहीं ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को मौके पर पहुंचकर निष्पक्ष जांच करानी चाहिए,

कलेक्टर के निर्देशों के बावजूद उठ रहे सवाल

जिले में अवैध खनन और रेत उत्खनन पर रोक लगाने के लिए समय-समय पर कलेक्टर द्वारा सख्त निर्देश जारी किए जाते रहे हैं. इसके बावजूद ईकोदिया में सामने आए आरोपों ने प्रशासनिक निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं. ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन और खनिज विभाग नियमित रूप से निगरानी कर रहे हैं तो फिर नदी क्षेत्र में रेत निकासी की गतिविधियां कैसे जारी हैं. लोगों का आरोप है कि कलेक्टर के आदेशों का जमीनी स्तर पर पालन होता नजर नहीं आ रहा.

खारचाखेड़ी में नशा मुक्ति का कार्यक्रम आयोजित

राजगढ़ 01 जून, का. विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा ब्रह्माकुमारी संस्थान के सहयोग से तंबाकू निषेध पर नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ग्राम खारचाखेड़ी में किया गया. इस अवसर पर संस्थान से जुड़े भाई-बहनों ने नाटक प्रस्तुति के माध्यम से ग्रामवासियों को नशामुक्त रहने का संदेश दिया तथा तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया. प्रतिभागियों ने नशामुक्ति के नारे लगाते हुए लोगों को तंबाकू एवं अन्य नशे की आदतों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया.